सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी पी पी) परियोजनाएं

अ0 ज0 प0 क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने वर्ष 2001 में एक अन्तर्देशीय जल परिवहन नीति को अनुमोदन प्रदान किया था। इस नीति में अन्तर्देशीय जलयानों के प्रचालन, स्वामित्व और अवसंरचनात्मक विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने पर विचार किया गया है। तदनुसार, भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम संशोधित किया गया था जिससे कि भा0 अ0 ज0 प्रा0 संयुक्त उद्यम में प्रवेश कर सके।

ऐसे पी0 पी0 पी0 परियोजनाओं की संभावना की तलाश करने के लिए कुछ प्राथमिकताओं वाली परियोजनाओं को मैसर्स आईएफसीआई लिमिटेड नामक परामर्शदाता द्वारा चयनित किया गया था और इनमें से कुछ परियोजनाओं के लिए भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा बोली आमंत्रित की गई थी। भा0 अ0 ज0 प्रा0 की यह पहल अ0 ज0 प0 क्षेत्र की ओर निजी क्षेत्रों को आकर्षित करने में सफल हुई और पश्चिम बंगाल में बंदेल, कोलाघाट और बजबज में जेट्टियों की स्थापना और प्रबंधन, कोलकाता – मोंगला, कोलकाता – धुब्री और कोलकाता – पांडु के ओ–डी जोरों पर बार्जों का अधिग्रहण, प्रचालन और प्रबंधन करने के लिए भा0 अ0 ज0 प्रा0 और संबंधित सफल बोली लगाने वालों के बीच वर्ष 2006–07 के दौरान 4 सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। भा0 अ0 ज0 प्रा0 और संबंधित बिडरों के बीच शेयर धारक उपबंध पर हस्ताक्षर से पहले भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा पोत परिवहन विभाग से सरकारी अनुमोदन देने का अनुरोध किया गया था। पोत परिवहन विभाग से आगे की कार्रवाई करने की जानकारी मार्च, 2008 में प्राप्त हुई थी जिसके उपरांत संयुक्त उद्यम कंपनियों को शामिल करने के लिए आगे की कार्रवाई प्रारंभ की गई थी।

रा0 ज0 – 2 पर पांडु में भा0 अ0 ज0 प्रा0 के टर्मिनल पर किसी निजी फर्म को करीब 0.7 हेक्टेयर भूमि देने का प्रस्ताव विचाराधीन है। अ0 ज0 प0 साधन द्वारा सीमेंट, क्लिंकर, जिप्सम, फ्लाइऐश, इत्यादि की ढुलाई के लिए इस टर्मिनल पर वे बर्थिंग सुविधा का निर्माण करेंगे।

फरक्का के अपने पावर प्लांट पर एनटीपीसी द्वारा उपयोग हेतु प्रति वर्ष करीब 1 मिलियन टन आयातित कोयले की ढुलाई के लिए 1 परियोजना भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा पीपीपी परियोजना के रूप में विकसित किया जा रहा है। हल्दिया से फरक्का तक कोयले की ढुलाई की जाएगी।

अन्तर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से कोची शहर /उसके समुद्र पत्तन और हवाई अड्डा को जोड़ने के लिए 1 परियोजना पीपीपी प्रोजेक्ट के रूप में तैयार किया जा रहा है। रा0 ज0 – 1 पर हल्दिया टर्मिनल के निर्माण और प्रबंधन और रा0 ज0 – 2 पर जोगीघोपा में कोयला हैंडलिंग टर्मिनल का निर्माण और प्रबंधन पीपीपी परियोजनाओं के रूप में करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।